माधव संस्कृति न्यास, नई दिल्ली

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली

एवं

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

दशम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी

इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी-अष्टमी, कलियुगाब्द 5128, विक्रमी 2083,
तद्नुसार, शनिवार-रविवार, 03-04 अक्टूबर 2026

स्थान :

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय
जमुहार, सासाराम, रोहतास, बिहार

संगोष्ठी अवधारणा पत्र

संस्था : कार्य एवं उद्देश्य

आप को यह सूचित करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है कि विगत बीस वर्षों से भारत के प्रामाणिक इतिहास लेखन, तथ्य संकलन, इतिहास पुनर्लेखन एवं शोध के क्षेत्र में कार्य करने वाले इतिहासकारों को समर्पित 'माधव संस्कृति न्यास', नई दिल्ली ने देश के युवा इतिहासकारों को इतिहास लेखन की दिशा में जोड़ने का संकल्प लिया है। न्यास का इस संबंध में विचार है कि देश के युवा वर्ग में से इतिहास में रुचि रखने वाले विषय विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों का एक ऐसा मंच तैयार किया जाय जो इतिहास में शोध की भारतीय विधि से परिचित हों और भारतीय इतिहास के विभिन्न आयामों पर भारतीय प्राथमिक स्रोतों के आधार पर इतिहास लेखन करें। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए माधव संस्कृति न्यास ने युवा इतिहासकार परिषद प्रकल्प की योजना–रचना की जिसमें युवा इतिहासकार न केवल इतिहास परक अध्ययन की शोध प्रविधियों को सीखे बल्कि इस मंच पर अपने शोध निष्कर्षों को उद्घाटित कर प्रकाशित करें। इस हेतु की पूर्ति के लिए माधव संस्कृति न्यास समय–समय पर युवा इतिहासकार संगोष्ठी का आयोजन करता रहा है।

युवा इतिहासकार परिषद प्रकल्प : पूर्व वृत्त

आपको तो यह विदित है कि देश के युवा इतिहासकारों की प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में विगत 19–20 मार्च, 2016 को संपन्न हुआ था। इसमें संपूर्ण राष्ट्र से विभिन्न संस्थाओं के कुल 250 युवा इतिहासकारों ने सहभागिता की। यह संगोष्ठी वैचारिक दृष्टिकोण से अपने आप में महत्वपूर्ण थी। जो अत्यंत सफल रही। इसके पश्चात् पुनः एक कदम आगे बढ़ते हुए युवा इतिहासकार परिषद द्वारा द्वितीय युवा इतिहासकार संगोष्ठी का आयोजन विगत 17–18 मार्च 2018 (दिन शनिवार–रविवार, चैत्र कृष्ण अमावस्या, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, कलियुगाब्द 5119–20, विक्रमी 2074–75) को दिल्ली विश्वविद्यालय के सेन्टर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (CPDHE) में 'इतिहास लेखन और पाठ्यक्रम : विसंगतियाँ एवं नवीन परिप्रेक्ष्य' (History Writing and Syllabus: Problems and New Perspectives) नामक विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भी भारत राष्ट्र के विभिन्न भागों से लगभग 250 युवा इतिहासकारों ने भाग लिया।

इसी क्रम में युवा इतिहासकार परिषद के द्वारा तृतीय युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ज्येष्ठ कृष्णपक्ष त्रयोदशी, चतुर्दशी कलियुगाब्द 5121, विक्रम संवत् 2076 तद्नुसार 1–2 जून 2019 (शनिवार–रविवार) को विज्ञान संकुल सभागार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित किया गया, जिसका विषय 'भारतीय इतिहास लेखन

परंपरा : अतीत से वर्तमान तक (नवीन परिप्रेक्ष्य में) (Writing of Bhartiya Itihas: Tradition and Perspectives) था। यह संगोष्ठी भी अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में पूर्णतः सफल रही जिसमें संपूर्ण राष्ट्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं से लगभग 305 युवा इतिहासकारों ने सहभागिता की। चतुर्थ संगोष्ठी, धनबाद में 15–16 जून 2020 एवं पंचम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 27–28 फरवरी 2021 को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश में सम्पन्न हुई। इसके उपरान्त युवा इतिहासकार परिषद् के द्वारा षष्ठ वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी आगामी वैशाख, शुक्ल पक्ष, षष्ठी–सप्तमी, विक्रमी संवत् 207), तद्नुसार, 07–08 मई, 2022 को साँची विश्वविद्यालय, साँची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हई।

इसके पश्चात् युवा इतिहासकार परिषद के द्वारा सप्तम वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आषाढ़ कृष्ण पक्ष, सप्तमी–अष्टमी, कलियुगाब्द 5125, विक्रमी संवत् 2080, तद्नुसार 10–11 जून 2023 (शनिवार–रविवार) को श्री महादेवी तीर्थ (वैष्णो माता मन्दिर), कुल्लू, हिमाचल प्रदेश में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, नई दिल्ली एवं हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका विषय 'भारतीय इतिहास लेखन की प्रवृत्तियाँ एवं नवीन आयाम' था। यह संगोष्ठी भी अपने उद्देश्य की प्राप्ति में पूर्णतः सफल रही, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से आए लगभग 300 युवा इतिहासकारों, शोधार्थियों एवं विद्वानों ने सहभागिता की तथा भारतीय इतिहास लेखन की नवीन प्रवृधियों एवं समकालीन आयामों पर सार्थक विमर्श किया।

युवा इतिहासकार परिषद के द्वारा अष्टम वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन चैत्र शुक्ल पक्ष, चतुर्थी–पंचमी, कलियुगाब्द 5126, विक्रमी संवत् 2081, तद्नुसार 13–14 अप्रैल 2024 (दिन शनिवार–रविवार) को इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (Indira Gandhi National Open University, IGNOU), मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के विशेष संदर्भ में भारत की ज्ञान–परम्परा, इतिहास लेखन एवं इतिहास दर्शन' था। यह संगोष्ठी भी अपने उद्देश्य की प्राप्ति में अत्यन्त सफल रही, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों से युवा इतिहासकारों एवं शोधार्थियों ने सहभागिता की।

इसके उपरान्त युवा इतिहासकार परिषद के द्वारा नवम वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन माघ शुक्ल पक्ष, एकादशी–द्वादशी, कलियुगाब्द 5127, विक्रमी संवत् 2081, तद्नुसार 08–09 फरवरी 2025 (दिन शनिवार–रविवार) को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका विषय 'भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं संविधान' था। यह संगोष्ठी भी पूर्णतः सफल

रही, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से युवा इतिहासकारों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता की। संगोष्ठी में भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं संविधान के विविध आयामों पर सारगर्भित व्याख्यान, शोध–पत्र प्रस्तुतियाँ तथा अकादमिक परिचर्चाएँ आयोजित की गई, जिनके माध्यम से भारतीय इतिहास के प्रामाणिक अध्ययन एवं राष्ट्रीय दृष्टि से इतिहास लेखन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया।

इसी क्रम में युवा इतिहासकार परिषद के द्वारा दशम् वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आश्विन कृष्ण पक्ष, सप्तमी–अष्टमी, कलियुगाब्द 5128, विक्रम संवत् 2083, तनुसार शुक्रवार–शनिवार, 03–04 अक्टूबर, 2026 को गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, सासाराम (रोहतास), बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रही है, जिसका विषय '**इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा**' है।

अवधारणा

इतिहास का मुख्य उद्देश्य बीते हुए काल की घटनाओं का इतिहासपरक ढंग से वास्तविक रूप में वर्णन करना है। युवा इतिहासकार न केवल इतिहास प्रविधि के प्रति दृष्टि सम्पन्न होते हैं, बल्कि वे वर्तमान समय की चुनौतियों से भी संघर्ष कर रहे होते हैं। ऐसे युवा इतिहासकारों की सक्रिय सहभागिता से न केवल इतिहास की विसंगतियों का तथ्यपरक सम्यक् समाधान मिलेगा, अपितु देश के प्रामाणिक इतिहास लेखन में इनकी भूमिका से इतिहास लेखन को संबल प्राप्त होगा। आज युवा इतिहासकारों को एक लक्ष्य बनाकर बढ़ना होगा जो त्रुटियाँ, विसंगतियां इतिहास में अब तक व्याप्त है उन्हें समाप्त कर आने वाले पीढियों को नए बदलाव से परिचित करना होगा। इतिहास के बीते हुए काल की घटनाओं का इतिहासपरक रूप से सही एवं सत्य रूप प्रस्तुत करना होगा। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका से हम सभी भली–भाँति परिचित हैं, इसी तरह भारतीय इतिहास के पुनर्निर्माण में युवा इतिहासकारों को अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। इसीलिए अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना एवं माधव संस्कृति न्यास के अतर्गत इस वैचारिक संगम के माध्यम से भारतीय समाज को भारतीय चैतन्य से परिपूर्ण वैचारिकी प्रदान करने की दिशा पर कार्य कर रहा है और गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, सासाराम में दशम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

भारतीय इतिहास लेखन की परम्परा विश्व की प्राचीन एवं समृद्ध इतिहास–परम्पराओं में अग्रणी रही है। भारतीय मनीषियों ने इतिहास को केवल राजाओं एवं युद्धों का वृत्तान्त न मानकर राष्ट्र के सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं बौद्धिक विकास का समग्र प्रतिबिम्ब माना है। वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, पुराण, बौद्ध–जैन ग्रन्थ, अभिलेख, मुद्राएँ, ताम्रपत्र, यात्रावृत्तान्त तथा पुरातात्विक साक्ष्य भारतीय इतिहास लेखन के प्रमुख आधार हैं। भारतीय इतिहास लेखन की यह परम्परा सत्य सांस्कृतिक निरन्तरता, लोककल्याण तथा राष्ट्रीय चेतना पर आधारित रही है। वर्तमान समय में भारतीय दृष्टि से

इतिहास लेखन की इस समृद्ध परम्परा का पुनर्पाठ, पुनर्मूल्यांकन एवं पुनर्स्थापन अत्यन्त आवश्यक है, ताकि भारतीय इतिहास के विविध आयामों को तथ्यपरक, संतुलित एवं प्रामाणिक रूप में प्रस्तुत किया जा सके। आपकी सुविधा के लिए द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य विषयों के कतिप्रय विशिष्ट पक्षों को रेखांकित किया जा रहा है, जो कि निम्नलिखित हैं:

इस संगोष्ठी के मूल प्रतिपादित विषय **इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा** है।

उप विषय :

- भारतीय साहित्य में इतिहास लेखन की संकल्पना
- राजनैतिक इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- सांस्कृतिक इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- आर्थिक इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- सामाजिक इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- कला के इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- जनपदीय इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- जनजातीय इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- मौखिक इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा
- महिला इतिहास लेखन की भारतीय परम्परा

आप इस संगोष्ठी में सादर आमंत्रित हैं एवं आपसे निवेदन है कि कृपया शोध पत्र के साथ सहमति पत्र व आत्मपरिचय पत्र का (प्रारूप संलग्न) भी भरकर अधोलिखित पते या ईमेल यथाशीघ्र प्रेषित कर सहयोग करें। चयनित शोधपत्रों के आधार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागिता का अवसर प्रदान किया जाएगा। संगोष्ठी शुल्क रू 1000/– देय होगा। शोध पत्र हिन्दी, संस्कृत (Kruti Dev 010) एवं अंग्रेजी (Times New Roman) भाषाओं में अधिकतम 10 टंकित पृष्ठों में दिनांक 5 सितंबर 2026 तक **yuvaitihaskar@gmail.com** पर अनिवार्यतः प्रेषित करें। जिसमें सत्रों के संचालन में सुविधा हो सके।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ :

शोध–सारांश प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि	30 अगस्त 2026
पूर्ण शोध–पत्र प्रेषित करने हेतु अंतिम तिथि	05 सितम्बर 2026

माधव संस्कृति न्यास

माधव संस्कृति न्यास आप्टे भवन केशवकुंज झण्डेवाला, नई दिल्ली, भारतीय इतिहास व संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थाओं का पोषण आर्थिक एवं वैचारिक सहयोग के लिए निर्मित हुई है। नवम्बर 2006 से स्थापित यह न्यास अपने स्थापना के समय से ही भारतीय इतिहास संस्कृति के क्षेत्र में अनेक कार्यों में सहयोग किया है।

➢ **शोध पीठ की स्थापना**

- यह संस्थान अपने मुख्य अध्ययन–क्षेत्र पुराण एवं तत्संबंधी विशेष कायों पर अध्ययन एवं शोध करेगा ।
- यह संस्थान पुराण अध्ययन के क्षेत्र में अद्वितीय शोध–केन्द्र के रुप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ पुराण अध्ययन से संबंधित सभी सामाग्री एवं सूचनाएँ उपलब्ध होंगी।
- यह संस्थान पुराणों की सभी पाण्डुलिपियों का विवर्णिका ग्रन्थ तैयार करेगा।
- यह संस्थान विश्वभर के सभी विश्वविद्यालयों के शोध उपाधि के विषय के रूप में पुराणों पर किये गये शोधकार्यों की अनुक्रमणिका तैयार करेगा।
- यह संस्थान पुराणों के आधार पर विश्व का भौगोलिक एवं सांस्कृतिक मानचित्र तथा विवरण तैयार करेगा।
- 18 महापुराणों की विभिन्न पुराण–अनुक्रमणिकाएँ बनाई जायेंगी। आदि अन्य महत्वपूर्ण शोध कार्य इस संस्थान के माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है।

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना :

'अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना' इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत इतिहासविदों का एक राष्ट्रव्यापी संगठन है जो इतिहास, संस्कृति, परम्परा आदि क्षेत्रों में प्रामाणिक, तथ्यपरक तथा सर्वांगपूर्ण इतिहास–लेखन तथा प्रकाशन आदि की दिशा में कार्यरत है। देश एवं विदेशों में रह रहे इतिहास एवं पुरातत्त्व के विद्वान्, विश्वविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापक, अनुसंधान–केन्द्रों के संचालक, भूगोल, खगोल, भौतिकशास्त्रादि अनेक क्षेत्रों के विद्वान् तथा वैज्ञानिक एवं इतिहास में रुचि रखने वाले विद्वान् इस कार्य से जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही योजना ने वर्षों से सतत् अभियान चलाकर भारतीय इतिहास में व्याप्त अनेक भयंकर विसंगतियों व त्रुटियों की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट करने के साथ–साथ इतिहास के उन पृष्ठों को भी उद्घाटित करने का प्रयास किया है जो अब तक अज्ञात रहे थे या जिनके सामने आने में अनेक अवरोध उत्पन्न किए जा रहे थे। योजना से जुड़े विद्वान् इतिहासकारों द्वारा उद्घाटित तथ्य, सत्य की कसौटी पर कसे होने के कारण मील के पत्थर सिद्ध हुए हैं और योजना के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के कारण इन्हें वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। विगत कुछ दशकों में भारतीय और विश्व–इतिहास से जुड़े अनेक भ्रामक

तथ्यों के निराकरण में योजना को पर्याप्त सफलता प्राप्त हुई है और अनेक में 'योजना' सफलता की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम स्थल : गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, सासाराम, बिहार

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, कैमूर की पहाड़ियों में स्थित जमुहार बिहार के रोहतास जिले का एक गाँव है। यह पुराने जी.टी. रोड, एनएच –2 पर औद्योगिक शहर डेहरी–ऑन–सोन और ऐतिहासिक शहर सासाराम, जिला मुख्यालय से 08 किमी के समान दूरी पर स्थित है। यहाँ का निकटतम रेलवे स्टेशन डेहरी–ऑन–सोन और सासाराम हैं। जबकि निकटतम हवाई अड्डा वाराणसी (उत्तर प्रदेश) 120 किलोमीटर, पटना 160 किलोमीटर और गया प्रसिद्ध बौद्ध केंद्र 120 किलोमीटर है।

वाहन व्यवस्था सासाराम रेलवे स्टेशन से प्रदान की जाएगी। एयरपोर्ट एवं हवाई यात्रा द्वारा आने वाले प्रतिभागियों को स्वयं की व्यवस्था से सासाराम तक पहुँचना होगा।

सभी प्रांत संभव हो तो ग्रुप के अनुसार ही टिकट कराएं जिससे कि रेलवे स्टेशन से वाहन व्यवस्था सुविधाजनक संभव हो सके।

नोट : अन्य सभी सूचनाएँ द्वितीय परिपत्र में प्रेषित की जाएगी।

डॉ॰ रामप्रकाश शर्मा
(स्थानीय समन्वयक)
वरिष्ठ सहायक आचार्य
अध्यक्ष, स्नातकोत्तर इतिहास विभाग
एस॰पी॰जैन महाविद्यालय, सासाराम ,
रोहतास, बिहार
rpsharmabhu@gmail.com
Mobile : 9718382602

डॉ॰ मुकेश कुमार
(संगोष्ठी संयोजक)
सहायक प्राध्यापक
इतिहास विभाग
पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय,
पटना, बिहार
mukeshfssbhu@gmail.com
Mobile : 7667439095

डॉ॰ विकास सिंह
(युवा इतिहासकार प्रमुख)
प्राचीन भारतीय इतिहास,
संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
वाराणसी, उत्तर प्रदेश
vikasbhu.singh3@gmail.com
Mobile : 9621429385

(हेमन्त धिंग मजूमदार)
महासचिव
अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना